NEP के लिए संस्थागत तैयारी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति NEP 2020 में कहा गया है कि शिक्षाशास्त्र को विकसित करने के लिए विकसित होना चाहिए शिक्षा अधिक अनुभवात्मक, समग्र, एकीकृत, पूछताछ संचालित, शिक्षार्थी केंद्रित और लचीली हो ।नीति पाठ्यचर्या ऐसे संरचनाओं की परिकल्पना करती है ताकि अध्ययन के लिए रचनात्मक संयोजनों को सक्षम किया जा सकेऔर विषयों की कठोर सीमाओं को हटाते हुए कई प्रवेश और निकास बिंदुओं को पेशकश किया जा सके औरआजीवन सीखने की नई संभावनाएं पैदा करना और अंतःविषय सोच विकसित करना किया जाए।NEP के जनादेश को देखते हुए संस्थान को इसे लागू करने के लिए खुद को तैयार करने की आवश्यकता है

कॉलेज के संस्थागत तंत्र के माध्यम से।

1. बहुआयामी / अंतःविषय

कमला नेहरू कॉलेज मानविकी की विभिन्न धाराओं के तहत ऑनर्स पाठ्यक्रम प्रदान करता है

सामाजिक विज्ञान। जनरल ऐच्छिक (GE) ऐसे पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो हैं

सभी वर्षों के स्नातक छात्रों के लिए कौशल के साथ संयुक्त ज्ञान देने के लिए डिज़ाइन किया गया

सीखने की कठोरता को बनाए रखते हुए। इसी तरह, सभी विभाग अनुशासन पत्र प्रस्तुत करते हैं

बीए के तहत (कार्यक्रम) पाठ्यक्रम जो इसे प्रकृति में अंतःविषय बनाता है।

KNC के RISE (रिसर्च एंड इनोवेशन सस्टेनेबल एजुकेशन) सेल के तहत, एक पहल

छात्रों को एक समग्र और बहु-विषयक अनुसंधान की अकादमिक संस्कृति को आत्मसात करने के लिए

तरीके से, छात्रों को अंतर-विभागीय रूप से समूह के अलावा किसी अन्य क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए समूहीकृत किया जाता हैउनका मुख्य विषय, इस प्रकार समाधान खोजने के लिए अधिक एकीकृत और एकजुट सीखने को सुनिश्चित करता है|समाज की गंभीर चुनौतियां जूझने के लिए से RISE का बहु-विषयक जर्नल शोध लेखों को आमंत्रित करता है

कॉलेज ने "संयोजन में" दो दिवसीय बहु-विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया

जल संस्थान के सहयोग से हमारा जल भविष्यः अवसर और चुनौतियाँ"
एक सार्वभौमिक के रूप में जल के संदर्भ में बहु-विषयक दृष्टिकोण का अनुभव करने के लिए मंत्रालय
संसाधन इस प्रकार मानविकी और विज्ञान को एसटीईएम के साथ जोड़ते हैं। आने वाले समय में
सम्मेलन और कार्यशालाएं अकादमिक के दौरान चीजों का समग्र दृष्टिकोण अपनाएंगी
विचार-विमर्श और प्रवचन। (सम्मेलन का लिंक)

2. क्रेडिट के अकादमिक बैंक (एबीसी)

कमला नेहरू कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक कॉलेज है।क्रेडिट के अकादमिक बैंक के कार्यान्वयन को दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा
आंतरिक मूल्यांकन, केस स्टडी असाइनमेंट, सहायक पठन सामग्री, और चिरायु
मूल्यांकन प्रचलित मानदंडों के अनुसार आयोजित किए जाते हैं। संकाय और छात्र हैं
शिक्षण-अधिगम की दक्षता बढ़ाने के लिए रचनात्मक प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित किया गया
और लचीलापन लाएं। यह एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स के साथ बड़ा महत्व ग्रहण करेगा और NEP के तहत मल्टीपल एंट्री और एक्जिट का प्रावधान।

3. कौशल विकास

कौशल विकास पर जोर रोजगार योग्यता के लिए एक पूर्वापेक्ष है। कमला नेहरू कॉलेज का परिकल्पना है कि विभिन्न कौशल प्राप्त करके महिलाओं को सशक्त बनाया जाए है|स्नातक कार्यक्रम के तहत पाठ्यक्रम। स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी) की पेशकश की जाती है
दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम की संरचना के अनुसार सभी पाठ्यक्रमों में मौजूद है।
सेमेस्टर 3 और 4 में ऑनर्स के छात्रों द्वारा दो कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम किए जाते हैं और कार्यक्रम के छात्रों द्वारा सेमेस्टर 3, 4, 5, और . में चार कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम किए जाते हैं
6 (पाठ्यक्रमों का लिंक)।

इसके अलावा, कॉलेज की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र लाभ प्राप्त करें व्यावहारिक ज्ञान, प्राप्त करें कॉलेज में विभिन्न संस्थाएँअनेक समुदाय का संचालन करती रही है |एनएसएस, ईओसी और सक्षम इकाई, आदि के तहत ऐसे ही कार्यक्रम और व्यावहारिक को प्रोत्साहित किया जाता रहा है |उद्योग संपर्क, आउटरीच और इंटर्नशिप कार्यक्रमों के माध्यम से अनुभव तथा कॉलेज ने एनएसक्यूएफ (राष्ट्रीय कौशल .) के तहत सफलतापूर्वक दो प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित किए हैं| योग्यता फ्रेमवर्क), यूजीसी। हाल ही में कॉलेज स्किल हब का हिस्सा बन गया है PMKKVY (प्रधान मंत्री कौशल केंद्र विकास योजना) के तहत और की नौकरी की भूमिका ग्रहण की

आभूषण डिजाइनिंग। सॉफ्ट स्किल्स, योग और कल्याण पर कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता है|छात्रों के साथ-साथ कर्मचारियों के कौशल सेट को बढ़ावा देने के लिए। (समझौता ज्ञापन, कार्यशालाओं का लिंक)

NEP में कौशल विकास की सीमा का विस्तार करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय बन जाएगा संस्थान में छात्रों की रोजगार योग्यता

4. भारतीय ज्ञान प्रणाली का उपयुक्त एकीकरण (भारतीय में शिक्षणऑनलाइन पाठ्यक्रमों का उपयोग करने वाली भाषाएं, संस्कृति)

भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक शिक्षा का एक समृद्ध समामेलन सुनिश्चित करने के लिए

शिक्षा संस्थान भारतीय भाषाओं को चैनल के रूप में अपनाने पर जोर देता है|स्वदेशी ज्ञान में निहित जिसमें ज्ञान प्रदान करना तथा क्षमता वृद्धि अनिवार्य है |प्रथम वर्ष में सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों को हिंदी और संस्कृत में पाठ्यक्रम (एईसीसी) की पेशकश की जाती है|उसी को लागू करने के लिए पाठ्यक्रम। सभी को GE के रूप में हिंदी और संस्कृत की पेशकश की जाती है | हिंदी माध्यम में अपने पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्रों को प्रोत्साहित किया जाता है और उनकी सहायता की जाती है।

उन्हें हिंदी में अध्ययन सामग्री और संदर्भ प्रदान किए जाते हैं और अलग-अलग ट्यूटोरियल आयोजित किए जाते हैं|उपचारात्मक उपायों के रूप में उनका समर्थन करें। भाषा के उपयोग के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं|हिंदी और अंग्रेजी में कौशल। (हिंदी और संस्कृत में कार्यशालाओं का लिंक)

वार्षिक कॉलेज पत्रिका APPORVA का अर्थ है "अतुल्य महिला" एक छात्रों का मंच है

जो उन्हें रचनात्मक और सूचनात्मक लेखों में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके अलग-अलग खंड हैं_हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और फ्रेंच में

5. परिणाम-आधारित शिक्षा (ओबीई) पर ध्यान दें

संस्थान नियमित रूप से के तरीकों के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है: कार्यक्रम के प्रत्येक परिणाम, कार्यक्रम विशिष्ट परिणामों की प्राप्ति को मापना और पाठ्यक्रम के परिणाम। सीखने के परिणामों की उपलब्धि की दिशा में एक छात्र की प्रगति है:

द्वारा मूल्यांकन किया गया: समयबद्ध तरीके से सेमेस्टर अंत परीक्षा; व्यावहारिक; परियोजना

असाइनमेंट/केस-स्टडी रिपोर्ट; समूह कार्य; मौखिक प्रस्तुतियां। संकाय उपाय

छात्रों के प्रदर्शन और सुधार के लिए उपचारात्मक सहायता प्रदान करता है। सलाह

धीमी गति से शिक्षार्थियों को वांछित के साथ तालमेल रखने के लिए ट्यूटोरियल सत्र के दौरान भी प्रदान किया जाता है| संस्था द्वारा प्रदान किए जाने वाले ऐड ऑन/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के लिए नामांकित छात्र हैं|संस्था द्वारा ही मूल्यांकन किया जाता है। (परिणाम आधारित शिक्षा का लिंक)

कार्यक्रम के परिणामों और पाठ्यक्रम के परिणामों की प्राप्ति को मापने के तरीके

सीधा तरीका

1. सेमेस्टर अंतिम परीक्षा: अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (सिद्धांत या व्यावहारिक) मीट्रिक हैं यह आकलन करने के लिए कि पाठ्यक्रम के सभी परिणाम प्राप्त हुए हैं या नहीं। अंतिम सेमेस्टर परीक्षा का उपयोग करता है|एक वर्णनात्मक प्रश्न और 75 अंकों का है।

2. आंतरिक मूल्यांकन: सिद्धांत के पेपर में IA अंक विभिन्न तरीकों पर आधारित होंगे जैसे असाइनमेंट, क्लास टेस्ट, एमसीक्यू, ग्रुप डिस्कशन और पेपर प्रेजेंटेशन। प्रयोगशाला असाइनमेंट एक गुणात्मक प्रदर्शन मूल्यांकन उपकरण है जिसे छात्रों के आकलन के लिए डिज़ाइन किया गया है;व्यावहारिक ज्ञान और समस्या को सुलझाने के कौशल। यह एक मीट्रिक है जिसका उपयोग निरंतर मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के संबंध में पाठ्यक्रम के परिणामों की प्राप्ति।

अप्रत्यक्ष विधि:

1. फीडबैक मूल्यांकन: संस्थान अपने हितधारकों-छात्रों, पूर्व छात्र, नियोक्ता और माता-पिता से फीडबैक एकत्र करता है, फीडबैक सिस्टम की प्रासंगिकता पर इनपुट प्रदान करता है

पाठ्यक्रम, शिक्षण सामग्री की उपलब्धता, पाठ्यक्रम का महत्व और से आवश्यक समर्थन छात्रों को संस्था। संपर्क

2. इंटर्नशिपः छात्रों को इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट, फील्डवर्क आदि करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है

उन्हें अपने चुने हुए अनुशासन में आवश्यक कौशल और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद करता है। हम पाठ्येतर गतिविधियों में छात्र के प्रदर्शन और उनके ऑफ-कैंपस सह-नेतृत्व जैसे उनके व्यक्तित्व विकास गुणों का आकलन करने के लिए पाठ्यचर्या की व्यस्तता,

टीम वर्क, दृढ़ता, आदि लिंक

3. प्लेसमेंटः कमला नेहरू कॉलेज में एक सक्रिय प्लेसमेंट सेल है जो को पूरा करता है विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों की मांग संपर्क

4. उच्च अध्ययनः पीओ, पीएसओ और सीओ की प्राप्ति को मापने के लिए एक अन्य पैरामीटर हैः

प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में उच्च अध्ययन की ओर छात्रों की प्रगति के माध्यम से भारत और विदेशी विश्वविद्यालयों में।

5. समितियों में योगदानः हम विभागीय में उनके योगदान और उपलब्धियों का आकलन करते हैं

संगोष्ठी, संगोष्ठियों में प्रस्तुतियाँ, छात्र क्लब, अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताएँ आदि। एनईपी के संदर्भ में, संस्था निरंतर मूल्यांकन प्रणाली का पालन करेगीः

शिक्षा नीति में परिकल्पित और इंटर्नशिप, प्लेसमेंट और के बिंदुओं को सक्रिय करता है एनईपी के प्रभाव को अधिकतम करने के लिए प्रगति आदि।

6. दूरस्थ शिक्षा/ऑनलाइन शिक्षा

कोविड -19 की महामारी ने शिक्षण-शिक्षा के रूप में शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा बदलाव लाया ऑनलाइन मोड पर प्रक्रिया प्रदान की गई थी। दुनिया भर में अभूतपूर्व स्थिति के बावजूद, समुदाय को पढ़ाने के निरंतर प्रयासों के साथ, विभिन्न ऑनलाइन का इष्टतम उपयोग संसाधनों और आईटी बुनियादी ढांचे, कॉलेज में शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया का सामना नहीं करना पड़ा

बल्कि, Google कक्षाओं में ऑनलाइन अध्ययन सामग्री का निर्माण, नियमित ज़ूम

बैठकें, टीमों पर व्याख्यान श्रृंखला, समूह चर्चा, और निरंतर शोध योगदानसभी छात्रों को कॉलेज द्वारा दिए गए रिमोट एक्सेस का उपयोग करने से को बढ़ाने में मदद मिली|प्रमुख हितधारक के रूप में छात्रों का ज्ञान आधार। (ऑनलाइन मॉड्यूल के लिए लिंक)
एनईपी ने उच्च शिक्षा को हितधारकों के लिए पूरी तरह से सुलभ होने की परिकल्पना की है पाठ्यचर्या की सामग्री संसाधनों की विस्तारित सीमा करके । कॉलेज सर्वश्रेष्ठ बनाने का प्रयास करता है
दूरी और ऑनलाइन के लिए ई-संसाधन, अंतर-पुस्तकालय संदर्भ और ज्ञान भंडार शिक्षा।